ग्रंथ सूची

ए : प्राथमिक स्रोत:

1. ऋग्वेद संहिता (3000 ई.पू.), (i) महर्षि दयानंद सरस्वती (हिंदी) द्वारा भास्य, दयानंद संस्थान, नई दिल्ली-5 द्वारा प्रकाशित।

(ii) स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती (अंग्रेजी) द्वारा भास्य, वेद प्रतिष्ठान, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

2. साम वेद (3000 ई.पू.) स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा भाष्य, दयानंद संस्थान, नई दिल्ली-5 द्वारा प्रकाशित ।

3. यजुर्वेद (ऋग्वेद क बाद), स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा भास्य, (हिंदी) दयानंद संस्थान, नई दिल्ली -5

4. यजुर्वेउ (तैत्तिरिया संहिता) (ऋग्वेद के बाद) पं. श्रीपाद दामोदर सतवलेकर द्वारा संपादित । स्वयध्य मंडल, मराडी, जिला बालसोड़, गुजरात ।

5. श्वेत यजुर्वेद (वाजसनेय संहिता) (ऋग्वेद के बाद) आर.टी.एच. ग्रिफिथ द्वारा अंग्रेजी में अनूदित, मुंशीराम मनोहर लाल प्रकाशक, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली, 1987.

6. अथर्ववेद (नवीनतम वेद), पं. खेम करण दास त्रिवेदी द्वारा भाष्य, सर्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, महर्षि दयानंद भवन, रामलीला मैदान, नई दिल्ली।

7. शतपथ ब्राह्मण (2000 ई.पू.), पं. गंगा प्रसाद उपाध्याय द्वारा संपादित, प्राचीन संस्कृत अनुसंधान अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली -8

8. गोपथ ब्राह्मण (1000 ई.पू. के पश्चात), पं. खेम करण दास त्रिवेदी द्वारा भाष्य, डॉ. प्रजना देवी और मेधा देवी, द्वारा संपादित, अथर्ववेद कार्यालय, 34, लुकरगंज, इलाहाबाद, 1977 द्वारा प्रकाशित ।

महाकाव्य:

9. वाल्मीकि रामायण (800 ई.पू. से 200 ई.पू.), गीता प्रेस, गोरखपुर, दो खंडों में हिंदी अनुवाद सहित।

10. महाभारत (400 ई.पू. से 400 ईस्वी) पं. रामनारायण दत्त शास्त्री, पांडेय राम द्वारा छः खंडों में अनूदित, गीता प्रेस गोरखपुर।

स्मृति:

11. मनुस्मृति (200 ईसा पूर्व या उससे पहले), पं. हरगोविंद शास्त्री द्वारा संपादित, चौखम्बा संस्कृत श्रृंखला कार्यालय, वाराणसी -221 001, 1984.

दर्शन प्रणाली:

12. कणाद की वैश्विका सूत्र (पूर्व-बौद्ध, 600-700 ई.पू.) ए.ई. गफ द्वारा अनूदित, ओरिएंटेड बुक्स रीप्रिंट कॉर्पोरेशन, 54, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली -110 055, 1975

व्याकरण:

13. पाणिनी की अष्टाध्यायी (700 ई.पू.), ब्रह्मदत्त जिज्ञासु द्वारा भाष्य, रामलाल कपूर ट्रस्ट, नाहलगढ़, सोनीपत, हरियाणा द्वारा दो खंडों में प्रकाशित 1985 .

राज्य व्यवस्था

14. अर्थशास्त्र (कौटिल्य, 400 ई.पू.), आर. शमाशास्त्री, द्वारा अंग्रेजी में अनूदित , मैसूर मुद्रण और प्रकाशन हाउस, मैसूर, 1967.

पुराण (6वीं शताब्दी ई.पू. से 700 ईस्वी):

15. ब्रह्माण्ड पुराण (तृतीय, चतुर्थ शताब्दी ईस्वी) डॉ. चमन लाल गौतम द्वारा दो खंडों में प्रकाशित, संस्कृत संस्थान वेद नगर, बरेली -243 003, 1988

16. गरुड़ पुराण, तेजकुमार बुक डिपो प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ -260001 द्वारा प्रकाशित, 1989

17. कर्म पुराण, पं. श्री राम शर्मा संस्कृत संस्थान, वेद नगर, बरेली, द्वारा दो खंडों में संपादित, 1986.

18. लिंग पुराण, उपरोक्त,1987

19. मार्कंडेय पुराण, डॉ. धर्मेंद्रनाथ शास्त्री द्वारा हिंदी में अनूदित, साहित्य भंडार, सुभाष बाजार, मेरठ -250 002, प्रथम संस्करण, 1983।

20. मत्स्य पुराण (6वीं शताब्दी ई.पू. से 4 वीं शती ईस्वी), पं. श्री राम शर्मा, वेद नगर, बरेली (यू.पी), द्वारा दो खंड में संपादित, 1989.

21. नारद पुराण, उपरोक्त, 1984.

22. पद्म पुराण, उपरोक्त, 1986

23. स्कंद पुराण, (7वीं शताब्दी ईस्वी), उपरोक्त 1988.

24. वायु पुराण, राम प्रताप त्रिपाठी शास्त्री द्वारा, हिंदी में अनूदित, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, 12, सम्मेलन मार्ग, इलाहाबाद, 1987.

25. विष्णु पुराण: उक्त 24 के जैसा,1989.

खगोलीय कार्य:

26. वराहमिहिर द्वारा वृहत्संहिता (550 ईस्वी), पं. द्वारा अच्युत्यानन्द झा द्वारा संपादित और भाष्य। चौखंबा विद्या भवन, वाराणसी -221 001, 1988

27. मयूरचित्रिका (नारदिया), पांडुलिपि नं. 34332, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के सरस्वती भवन पुस्तकालय में रखा गया है ।

28. मेघमाला (लगभग 900 ईस्वी.), पांडुलिपि नं. 37202, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के सरस्वती भवन पुस्तकालय में रखा गया है ।

अन्य:

29. कालीदास के मेघदूतम (100 ई.पू.), मलिनाथ द्वारा भाष्य, डॉ. जय शंकर त्रिपाठी द्वारा संपादित, देवभाषा प्रकाशन, इलाहाबाद -6

30. कालिदास ग्रंथावली: सीताराम चतुर्वेदी द्वारा संपादित, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, 1980.

31. सुद्रका की मृच्छकटिका (6वीं शताब्दी ईस्वी), डॉ. श्रीनिवास शास्त्री द्वारा हिंदी में अनूदित, साहित्य भवन, सुभाष बाजार, मेरठ (यूपी), 1980.

32. भव मिश्र (16वीं शताब्दी ईस्वी) द्वारा भावप्रकाश निघंटु, पं. विश्वनाथ द्विवेदी शास्त्री की टीका सहित, मोतीलाल बनारसी दास प्रकाशक, दिल्ली -7, 1988.

बी: माध्यमिक स्रोत:

33. बेकर, बी.एन. और हॉर्टन, आर.ई. (1936). हिस्टोरिकल डैवलपमैन्ट ऑफ आदडिया रिगार्डिंग दि ओरिजन ऑफ स्प्रिंग्स एंड ग्राउंड वाटर, ट्रांस ऑफ अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन, वॉल्यूम 17, पेज 395-400.

34. बिस्वास, ए.के. (1967) हाइड्रोलॉजिकल इंजीनियरिंग 600 बी.सी. से पहले, जर्नल ऑफ हाइड्रोलिक डिवीजन, ए.एस.सी.ई, वॉल्यूम, 93, पेज 115-135.

35. बिस्वास, ए.के. (1969), साइंस इन इंडिया, फ़िरमा के.एल. मुखोपाध्याय, कलकत्ता, पेज 154.

36. बिस्वास, ए.के. (1969), हिस्ट्री ऑफ हाइड्रोलॉजी, नॉर्थ हॉलैंड पब. ii कं, एम्स्टर्डम, लंदन, पेज 336.

37. चाउ, वी.टी. (1964), हैंड बुक ऑफ एप्लाइड हाइड्रोलॉजी मैकग्रू-हिल कंपनी, न्यूयॉर्क।

38. लॉ, बी.सी. (1984), हिस्टोरिकल जयोग्रॉफी आफ एनसिएंट इंडिया, मुंशीराम मनोहरलाल, नयी दिल्ली.

39. पणिक्कर रायमुंडो, (1977), दि वैदिक एक्सपीरियेंस मंत्र-मंजरी मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

40. पारखे, एम.एस. और वसंत, (1989), यज्ञ कृषि, रासयनिक खेती का विकल्प, स्थायी विकास, पत्रिका, नंबर 1, खंड 3, 1989, पेज 9-11.

41. प्रकाश, एस (1965), फाउण्डर्स ऑफ साइंसेज इन एनसिएंट इंडिया, द रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ एनसिएंट साइंटिफिक स्टडीज, नई दिल्ली।

42. प्रसाद, ई.ए.वी. (1979), वाटर क्वालिटी इन भावमिश्राज भाव प्रकाश, MASSLIT श्रृंखला नं.2, एन.जे. प्रकाशन, तिरुपति

43. प्रसाद, ई.वी. (1980)। ग्राउण्ड वाटर इन वराहमिहिर्स वृहतसंहिता, MASSLIT श्रृंखला नंबर 1, श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी प्रेस, तिरुपति, भारत

44. प्रसाद, वी.टी. बी.एस. कुमार, और एस. कुमार, (1987), वाटर रिसोर्सेज डैवलपमैंट इन इंडिया- इट्स सेन्ट्रल रोल इन दि पास्ट एंड क्रूशियल सिग्निफिकेन्स फॉर फ्यूचर, प्रो0 ऑफ दि इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन वाटर फॉर फ्यूचर, IAHR, रोम, पेज 19-34.

45. राव, ई.जी.के. कोटेकर, पी.ओ. (1971) एक्सपलोरेशन ऑफ अंडर ग्राउंड वाटर स्प्रिंग्स एकॉर्डिंग टू दि एनसियंट हिंन्दूज, इंडियन जर्नल ऑफ हिस्ट्री ऑफ साइंस, वॉल्यूम 6, नंबर 2, पेज 139-146.

46. सील, बी.डब्ल्यू. (1918) पॉजिटिव साइंस ऑफ एनसिंयट इंडिया, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली।

47. सिरकार, डी.सी. (1971)स्टडीज इन दि जियोग्राफी ऑफ एनसिंयट एंड मेडीवल इंडिया, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली।

48. श्रीनिवासन, टी.एम. (1970) ए ब्रीफ एकाउंट ऑफ इ एनसियंट ईरीगेशन इंजीरियरिंग सिस्टम्स प्रिवैलेंट इन साउथ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ हिस्ट्री ऑफ साइंस, वॉल्यूम 5, नंबर 2, पेज 315-325.

49. त्रिपाठी, एम.पी. (1969) डैवलपमैंट ऑफ जियोग्राफिकल नॉलेज इन एनसिंयट इडिया भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी -1, भारत

50. वार्ष्णेय, आर.एस. (1979) इंजीनियरिंग हाइड्रोलॉजी, नेमचंद एंड ब्रदर्स, रुड़की (उ.प्र।)

51. शिरसाथ, पी.बी. (2009), ईरीगेशन डैवलपमैंट इन इंडिया: हिस्ट्री एंड इम्पैक्ट, वाटर टैक्नोलॉजी सेंटर, आईएआरआई, नई दिल्ली, http://indiairrigation.blogspot.com/2009/01/history-of-irrigation- developmentin_01.html

52. मैकक्लेन, III .जे.ई. और डॉर्न, एच. (2006). साइंस एंड टैक्नोलॉजी इन वर्ल्ड हिस्ट्री: एन इन्ट्रोडक्शन IInd एडिशन, दि जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी प्रेस 2715, नॉर्थ चार्ल्स स्ट्रीट, बाल्टीमोर, मैरीलैंड 21218-4363

53. वुओरिनन, एच.एस. जुती, पी.एस., और काटको, टी.एस. (2007), हिस्ट्री ऑफ वाटर एंड हैल्थ फ्रॉम एनसियंट सिविलाइजेशन टु मॉडर्न टाइम्स, वाटर साइंस एंड टैक्नोलॉजी, वाटर सप्लाई वॉल्यूम . 7 नंबर 1 पेज 49-57.

54. यानोपोलोस, एस. आई. लाइबेरटोस, जी. थियोडोसिउ, एन. ली. डब्ल्यू., वैलीपोर, एम. टैम्बुरिनो, ए. और एंजेलकिस, ए.एन. (2015). इवॉलुशन ऑफ वाटर लिफ्टिंग डिवाइसेज (पम्पस) ओवर दि सेच्नुरीज वर्ल्ड वाइड, वाटर 2015, 7, 5031-5060; डोओआई: 10.3390 / w7095031.

55. स्कारबोरो, वी.एल. (2003), दि फ्लो ऑफ पावर :एनसिंयट वाटर सिस्टम्स एंड लैंडस्केप्स : स्कूल ऑफ अमेरिकन रिसर्च प्रेस: सांता फे, एन.एम, यू.एस.ए, पेज 204.

56. ऑटॉल्फ, सी. आर. (2009), वाटर इंजीनियरिंग इन एनसिंयंट वर्ल्ड - ऑक्योलॉजिकल एंड क्लाइमेट पर्सपैक्टिव्स ऑन सोसाइटीज ऑफ एनसियंट साउथ अमेरिका, मिडिल ईस्ट एंड साउथ अमेरिका, मिडिल ईस्ट उंड साउथ ईस्ट साउथ एशिया; ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस: न्यूयॉर्क, एन.वाई, यू.एस.ए, पेज 433.

57. जेरिट्स, ए.एम.जे. (2010), द रोल ऑफ इंटरसैप्शन इन दि हाइड्रोलॉजिकल साइकल । डिजर्टेशन एट द वाटर्स रिसोर्सेज सैक्शन फैकल्टी ऑफ सिविल इंजीनियरिंग एंड जियासाइंसेज, डेल्फ़्ट यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्नोलॉजी, एंड एट द गैब्रियल लिप्पमान रिसर्च सेंटर, लक्समबर्ग

58. हॉर्टन, (1933), द रोल ऑफ इन्फिल्ट्रेशन इद दि हाइड्रोलॉजिक साइकल, ट्रांस. अमेर. जियाफिजिक. यूनियन, 14, 446-460।

59. पांडे. ए (2016), सोसायटी एंड एन्वायर्नमैंट इन एनसियंट इंडिया (स्टडी ऑफ हाइड्रोलॉजी) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमिनिटीज एंड सोशल साइंस इन्वेन्शन, वॉल्यूम.5 (2), पेज 26-31.

60. शॉ, जे. सिटक्लिफ, जे. लॉयड-स्मिथ, एल. श्वेनिंगर, जे-एल. और चौहान, एम.एस. (2007) एनसियंट ईरीगेशन एंड बुद्धिष्ट हिस्ट्री इन सेंट्रल इंडिया- ऑप्टिकली स्टिमुलेटेड ल्यूमिनेसीन डेट्स एंड पॉल्लन सीकवेंशेज फ्राम द सांची डैम्स। एशियन पर्सपैक्टिव, वॉल्यूम. 46, नंबर 1.

61. एंजेलिस, ए.एन. और झेंग, एक्स.वाई (2015) इवॉलुशन ऑफ वाटर सप्लाइ, सैनिटेशन, वेस्टवाटर, एंड स्टॉर्म वाटर टैक्नोलॉजीन ग्लोबली । वाटर 2015, 7, 455-463; डीओई: 10.3390 / w7020455।

62. हसन, एफ (2011)। वाटर हिस्ट्री फॉर अवर टाइम्स । पब्लिश्ड बाई दि यूनाइटेड नेशन्स एजुकेशनल, सांइटिफिक एंड कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन (यूनेस्को), इंटरनेशनल हाइड्रोलॉजी प्रोग्राम (आईएचपी) 7, प्लेस फोंटेनॉय, 75352 पेरिस 07 एसपी, फ्रांस।

63. ह्यूगो, वी. (1982), लेस मिसरेबल्स, ट्रांस नॉर्मन डेनी. पेंगुइन क्लासिक्स, न्यूयॉर्क, 2001

64. अववनवर, एम.एस. और मणि, एम. ए. (2008). कॉन्सेप्चुअल मॉडल ऑफ पीपुल्स एप्रोच टु सेनिटेशन । साइं. टोटल एन्वा. वॉल्यूम. 390, पेज 1-12

65. सोरिनसेली, पी. (1998). स्टोरिआ सोशल डेली'क्यूक्वा। रीति ई कल्चर। मिलानो: मोंडाडोरी।

66. डी फियो, जी और नेपोली, आर.एम.ए. (2007), हिस्टोरिकल डैव्लपमैंट ऑफ द ऑगस्टान एक्वाडक्ट इन साउर्थ्न

इटली : 20 सैंचरीज ऑफ वर्क्स फ्रॉम सेरिनो टु नेपल्स । वाटर साइंस टैक्नो. वॉल्यूम. 7: 131-8

67. लोफ्रेनो, जी और ब्राउन, जे. (2010), वेस्ट वाटर मैनेजमैंट थ्रो एजेज: ए हिस्ट्री आफ मैनकांड। साइंस ऑफ द टोटल एन्वायर्नमैंट, वॉल्यूम. 408, पेज 5254-5264.

68. मेनेग्लियर, एच. (1994), स्ट्रोरिया डेल्क्क्वा. मिलानो: सूगर कं.

69. तर्र, जे.ए. (1985)। हिस्टोरिकल पर्सपैक्टिव्स ऑन हजार्डियस वेस्ट इन दि यूनाइटेड स्टेट्स। वेस्ट मैनेज.रिस. 3: 95-113

70. वायले, जी. (2000), उन मन्डो हमा ई गेटटा। मिलानो: फेल्ट्रिनेली।

71. सोरी, ई। (2001)। La città e i rifiuti - इकोलोगिया urbana dal Medioevo al primo Novecento। सग्गी, बोलोग्ना: इल मुलिनो।

72. नेरी सर्नेरी, एस (2007)। द कन्स्ट्रक्शन ऑफ द मॉर्डन सिटी एंड द मैनेजमैंट ऑफ वाटर रिसोर्सेज इन इटली 1880-1920। जे. अर्बन हिस्ट. वॉल्यू. 33,पेज 813-27.

73. केनोयर, जे.एम. (1997), ट्रेड एंड टैक्नोलॉजी ऑफ इंडस वैली: न्यू इनसाइट फ्रॉम आर्क्योलॉजी, पाकिस्तान, वर्ल्ड आर्क्योलॉजी 29 (2), 262-280।

74. केनोयर, जे.एम. (1991)। द इंडस वैली ट्रेडिशन ऑफ पाकिस्तान एंड वैस्टर्न इंडिया, जर्न. वर्ल्ड प्रिहिस्ट 5, 331-385.

75. केनोयर, जे.एम. (1998)। एनसियंट सिटीज ऑफ दि इंडस वैली सिविलाईजेशन : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ पाकिस्तान स्टडीज: कराची, पाकिस्तान, पेज 1-260.

76. खान, एस (2014)। सैनीटेशन एंड वेस्टवाटर टैक्नोलॉजीज इन हड़प्पा/ इंडस वैली सिविलाईजेशन (ca 2600-1900 बी.सी.) । बुक चैप्टर इन '' इवॉल्युएशन ऑफ सैनीटेशन एंड वेस्टवाटर टैक्नोलॉजीज थ्रो दि सैन्चुरीज'' (एडि. : ए. एन. एंजेलकिस और जे. बी.

रोज), IWA पब्लिशिंग अलायंस हाउस, 12 कैक्सटन स्ट्रीट लंदन SW1H 0QS, यूके, पेज 25-40.

77. वोल्फ, पी. (1999). हिस्ट्री ऑफ वेस्टवाटर । वर्ल्ड ऑफ वाटर 2000- द पास्ट, प्रजेन्ट एंड फ्यूचर । वाटर वर्ल्ड/ वाटर एंड वेस्टवाटर इंटरनेशनल सप्लीमेंट टु पेन वेल मैगजीन , तुलसा, ओएच, यूएसए; 1999।

78. राइट, आर. पी. (2010). द एनसियंट इंडस: अर्बनेज्म, इकॉनॉमी एंड सोसायटी, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, न्यूयॉर्क, 396.

79. फ़ार्डिन, एच. एफ. होले, ए. गौटियर, ई. हौरी, जे. (2013). वेस्ट वाटर मैनेजमैंट टैक्नीक्स फ्रॉम एनसियंट सिविलाइजेशंस टु मॉडर्न एजेज : एक्जाम्पल ऑफ साउथ एशिया वाटर साइंस टैक्नोल. 13, 719-726.

80. किर्क, डब्ल्यू (1975). दि रोल ऑफ इंडिया इन दि डिफ्यूजन ऑफ अर्ली कल्चर्स, द जियोग्राफिकल जर्न. 141 (1), 19-34।

81. मेट, एम.एस. (1969). बिल्डिंग ऑफ एनसियंट इंडिया, वर्ल्ड आर्क्योलॉजी 1 (2), 236-246.

82. सिंह, यू. (2008). हिस्ट्री ऑफ एनसियंट एंड अर्ली मेडीवल इंडिया- फ्रॉम स्टोन एज टु 12th सैंचुरी. पियर्सन एजुकेशन/डोरलिंग किंडरस्ले, नई दिल्ली, पेज 704.

83. कासल, जे.एम. (1949)। लेस फौलीस डे विरापटनम-एरीकेमेडु। कोम्पटेसरेन्डस डेस सेशन्स de l'Acadpmie des insults et Belles-Lettres, 93rd वर्ष, 2, पृष्ठ 142-147।

84. बेगली, वी. (1983). एरिकेमेडू रिकन्सीडर्ड. अमेरिकन जर्नल ऑफ आर्कियोलॉजी 87 (4), 461-481.

85. बेगली, वी. (2004). द डेटिंग ऑफ एरिकेमेडु एंड इट्स बीयरिंग ऑन दि आर्क्योलॉजी ऑफ अर्ली हिस्टोरिकल साउथ इंडिया । इन: साउथ इंडिया होराइजंस (जे. एल. चेलविलार्ड और ई. वाइल्डर, एडि.)। इंस्टीट्यूट फ्रैंच डी पांडिचेरी / इकोल फ्रेंकाइसे डी'एक्स्ट्रमे-ओरिएंट, पॉन्डिचेरी, पेज 513-537।

86. भारद्वाज, एच. सी. (1997). टाउन प्लानिंग, बिल्डिंग एंड बिल्डिंग मटीरियल्स . इन: हिस्ट्री ऑफ टैक्नोलॉजी इन इंडिया । (ए.के. बाग, एडि.)। इंडियन नेशनल साइंस एकेडेमी, नई दिल्ली, वॉल्यूम। 1, पेज 498-523.

87. नायर, के.एस. (2004) रोल ऑफ वाटर इन द डैवलपमैंट ऑफ सिविलाइजेशन इन इंडिया- ए रिव्यू ऑफ एनसियंट लिटरेचर, ट्रेडिशनल प्रैक्टिसेज एंड बिलीफ्स। द बेसिस ऑफ सिविलाइजेशन - वाटर साइंस ? (प्रोसीडिंग ऑफ द यूनेस्को / आईएएचएस / आईडब्ल्यूआई (ए सिम्पोजियम हैल्ड इन रोम दिसंबर 2003)। आईएएचएस पब्लि. 286

88. बागची, के.एस. और बागची, एस.एस. (1991) हिस्ट्री ऑफ ईरीगेशन इन इंडिया । पार्ट । : ईरीगेशन इन एनसियंट इंडिया । (फ्रॉम 2295 बी.सी. अप टु 11th सैंचुरी)। ईरीगेशन एंड पावर. पेज 69-76

89. श्रीनिवासन, टी. एम. (1976)। मेजरमैंट ऑफ रेनफाल इन एनसियंट इंडिया, आई जे एच एस 11.2, 148-57।

90. शॉ, जे. और सिटक्लिफ, जे. (2003) वाटर मैनेजमैंट, पैट्रोनेज नेटवर्क्स एंड रिलीजियस चेंज : न्यू इवीडैन्स फ्रॉम दि सांची डैम कॉम्प्लेक्स एंड काउंटरपार्ट्स इन गुजरात एंड श्रीलंका, साउथ एशियन स्टडीज, 19: 1, 73-104, डीओआई: 10.1080 / 02666030.2003.9628622।

91. कीलहॉर्न, एफ. (1906). ''जूनागढ़ रॉक्स इन्सक्रिप्शन्स ऑफ रुद्रादमन: द ईयर 72", एपिग्राफिका इंडिका VIII, पेज 36-49

92. शॉ, जे. और सुतक्लिफ, जे. (2001) एनसियंट ईरीगेशन वर्क्स इन द सांची एरिया: एन आर्क्योलॉजिकल एंड हाइड्रोलॉजिकल इन्वेस्टिगेशन, साउथ एशियन स्टडीज 17: 1, 55-75, डीओआई: 10.1080/ 02666030.2001.9628592।

93. सुटक्लिफ, जे. शॉ, जे. और ब्राउन, ई. हिस्टोरिकल वाटर रिसोर्सेज इन साउथ एशिया : द हाइड्रोलॉजिकल बैकग्राउंड, हाइड्रोलॉजिकल साइंसेज जर्नल, 56 (5): 775-88।

94. जिनसेन एम. (1985). मोहेनजो-दाड़ो, सिटी ऑफ द इंडस वैली, एंडेवर, न्यू सिरीज. वॉल्यूम 9, नंबर 4, पेरगामन प्रेस, प्रिंटेड इन द ग्रेट ब्रिटेन, लंदन, यूके ।

95. जिनसेन एम. (1989). वाटर सप्लाई एंड सीवेज डिस्पोजल एट मोहनजो-दाड़ो, वर्ल्ड आर्कियोलॉजी 21 (2), 177-192.

96. मजूमदार, पी.पी. और जैन, एस. (2018). हाइड्रोलॉजी इन एनसियंट इंडिया : सम फैस्सीनेटिंग फैक्ट्स. जियोफिजिकल रिसर्च एबस्ट्रैक्ट्स, ईजीयू जनरल ऐसेम्बली, वॉल्यूम. 20, ईजीयू 2018, 8690

97. नायर, के.एस. (2004) । रोल ऑफ वाटर इन दि डैवलपमैंट ऑफ सिविलाइजेशन इन इंडिया- ए रिव्यू ऑफ एनसियंट लिटरेचर, ट्रेडिशनल प्रैक्टिसेल एंड बिलीफ्स, द बेसिस ऑफ सिविलाइजेशन- वाटर साइंस ? (प्रोसीडिंग ऑफ द यूनेस्को / आईएएचएस / आईडब्ल्यूएचए, ए सिम्पोजियम हैल्ड इन रोम दिसंबर 2003), आईएएचएस पब्लि. 286.